Vol-13 Special Issue- 2.1 ISSN- 2349-7076

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter)
Patron: Prof. R. G. Kothari
Chief Editor: Prof. Jignesh B. Patel
Email:- Mo. 9429429550 ctefeduinspire@gmail.com

"बी.एड. पाठ्यक्रम में वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology Education) को सम्मिलित करने की आवश्यकता —यवतमाल शहर के शहरी एवं ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की राय का तुलनात्मक अध्ययन"

डॉ.सुहासकुमार रूपराव पाटील
परियोजना निदेशक
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) परियोजना
शासकीय शिक्षण महाविद्यालय, यवतमाळ

डॉ अमित वसंतराव देवतळे
अनुसंधान सहाय्यक
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) परियोजना
शासकीय शिक्षण महाविद्यालय, यवतमाळ

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में यवतमाल शहर के कुल 40 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों 20 शहरी एवं 20 ग्रामीण का न्यादर्श लेकर उनकी Gerontology शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं पाठ्यक्रम सम्मिलन की आवश्यकता के संदर्भ में राय का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में 20 प्रश्नों की हाँ/ना प्रश्नावली का उपयोग किया गया है जिसे दो भागों में विभाजित किया गया है — प्रथम भाग (प्रश्न1–प्रश्न10) जागरूकता से तथा द्वितीय भाग (प्रश्न11–प्रश्न20) पाठ्यक्रम सम्मिलन की राय से संबंधित है। यह शोध इस दृष्टि से विशेष महत्व रखता है कि यह न केवल वर्तमान पाठ्यक्रम की सीमाओं को उजागर करता है, अपितु शिक्षक प्रशिक्षण में Gerontology के समावेश हेतु ठोस नीतिगत आधार भी प्रस्तुत करता है। इस अध्ययन के निष्कर्ष NCTE, बी.एड. महाविद्यालयों के प्राचार्यों, पाठ्यचर्या निर्माताओं एवं शिक्षानीति निर्धारकों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु बन सकते हैं।

प्रस्तावना :-

मानव जीवन एक अविरल यात्रा है बाल्यावस्था से किशोरावस्था, युवावस्था से प्रौढ़ावस्था और अंततः वृद्धावस्था तक। इस यात्रा का अंतिम पड़ाव वृद्धावस्था न केवल शारीरिक परिवर्तनों से भरा होता है, अपितु मनोवैज्ञानिक, सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियों से भी परिपूर्ण होता है। आज के आधुनिक युग में जहाँ एक ओर चिकित्सा विज्ञान की उन्नति के कारण मानव की औसत आयु में वृद्धि हो रही है, वहीं दूसरी ओर वृद्धजनों की सामाजिक उपेक्षा, पारिवारिक विघटन एवं भावनात्मक एकाकीपन की समस्याएँ भी तीव्र गति से बढ़ रही हैं। भारत जैसे विकासशील देश में वृद्ध जनसंख्या की वृद्धि एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय चुनौती बनकर उभरी है। भारत की जनगणना एवं संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2050 तक भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की संख्या 30 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। इस वृद्धावस्था जनसांख्यिकीय परिवर्तन (Demographic Transition) से निपटने के लिए न केवल नीतिगत स्तर पर अपितु शैक्षणिक स्तर पर भी ठोस एवं व्यापक तैयारी की आवश्यकता है। वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology) एक ऐसा बहु-विषयक ज्ञान-क्षेत्र है जो वृद्धजनों की शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक एवं आर्थिक आवश्यकताओं का वैज्ञानिक अध्ययन करता है। Gerontology का उद्देश्य केवल

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

वृद्धावस्था की समस्याओं को समझना नहीं, बल्कि वृद्धजनों के जीवन को सम्मानजनक, सक्रिय एवं उत्पादक बनाने के उपाय खोजना भी है। इस विज्ञान का महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब हम शिक्षा के क्षेत्र में इसकी भूमिका का अवलोकन करते हैं। शिक्षक समाज का वह महत्वपूर्ण स्तम्भ है जो न केवल ज्ञान का हस्तांतरण करता है, अपितु सामाजिक मूल्यों एवं नैतिक चरित्र का भी निर्माण करता है। एक संवेदनशील एवं जागरूक शिक्षक ही अपने विद्यार्थियों में वृद्धजनों के प्रति सम्मान, करुणा एवं उत्तरदायित्व की भावना जागृत कर सकता है। परंतु यह तभी संभव है जब शिक्षक स्वयं Gerontology के मूलभूत ज्ञान से सुसज्जित हो। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया है कि बी.एड. पाठ्यक्रम में वृद्धावस्था शिक्षा को सम्मिलित करना कितना आवश्यक है। यवतमाल महाराष्ट्र राज्य का एक महत्वपूर्ण जिला केंद्र है जहाँ शहरी एवं ग्रामीण दोनों प्रकार के बी.एड. महाविद्यालय संचालित हैं। इन महाविद्यालयों के प्रशिक्षणार्थी विविध सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक पृष्ठभूमि से आते हैं। शहरी प्रशिक्षणार्थियों के जीवनानुभव जहाँ आधुनिक तकनीक, नागरी सुविधाओं एवं विविध सामाजिक संस्थाओं से प्रभावित होते हैं, वहीं ग्रामीण प्रशिक्षणार्थी संयुक्त परिवार, कृषि-आधारित समाज एवं पारंपरिक मूल्यों से जुड़े होते हैं। इस भिन्न पृष्ठभूमि के कारण Gerontology शिक्षा के प्रति उनकी राय, जागरूकता एवं आवश्यकता-बोध में भी भिन्नता हो सकती है। वर्तमान में बी.एड. पाठ्यक्रम में वृद्धावस्था शिक्षा से संबंधित कोई पृथक् इकाई या विषय नहीं है। NCTE (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद) द्वारा निर्धारित बी.एड. पाठ्यक्रम में बाल मनोविज्ञान, शिक्षण विधियाँ एवं पाठ्यचर्या अध्ययन को तो स्थान दिया गया है, परंतु वृद्धावस्था के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक पहलुओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। यह एक गंभीर पाठ्यक्रम अंतराल (Curriculum Gap) है जिसे भरना अत्यंत आवश्यक है।

अनुसंधान का महत्त्व :

भारतीय समाज में वृद्धजनों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। एकल परिवार प्रणाली, शहरीकरण एवं सामाजिक विघटन के कारण वृद्धजन आज एकाकीपन, उपेक्षा एवं आत्म-सम्मान के संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि शिक्षक Gerontology के प्रति जागरूक हों तो वे अपने विद्यार्थियों में वृद्धजन-सम्मान एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत कर सकते हैं। यह शोध समाज में पीढ़ीगत संवेदनशीलता (Intergenerational Sensitivity) विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता के लिए यह अनिवार्य है कि पाठ्यक्रम समाज की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हो। यह शोध बी.एड. पाठ्यक्रम में Gerontology की अनुपस्थिति रूपी रिक्तता (Curriculum Gap) को उजागर करता है। यह अध्ययन पाठ्यचर्या निर्माताओं एवं शिक्षाशास्त्रियों को पाठ्यक्रम पुनरीक्षण हेतु प्रेरित करेगा।

अनुसंधान का विधान :

"बी.एड. पाठ्यक्रम में वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology Education) को सम्मिलित करने की आवश्यकता —यवतमाल शहर के शहरी एवं ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की राय का तुलनात्मक अध्ययन"

अनुसंधान की कार्यात्मक व्याख्या

वृद्धावस्था शिक्षा : वह शिक्षा जो वृद्धों की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं आर्थिक आवश्यकताओं से संबंधित ज्ञान, कौशल और संवेदनशीलता विकसित करती है।

बी.एड. प्रशिक्षणार्थी : वे छात्र-अध्यापक जो किसी मान्यता प्राप्त संस्था से दो वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं और शिक्षण पेशे में प्रवेश की तैयारी कर रहे हैं।

शहरी एवं ग्रामीण : शहरी प्रशिक्षणार्थी — नगरपालिका/महानगर क्षेत्र में स्थित बी.एड. संस्थाओं के विद्यार्थी। ग्रामीण प्रशिक्षणार्थी — ग्राम पंचायत क्षेत्र या कस्बे में स्थित बी.एड. संस्थाओं के विद्यार्थी।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

पाठ्यक्रम सम्मिलन / Curriculum Integration : बी.एड. के विद्यमान NCTE-निर्धारित पाठ्यक्रम में Gerontology से संबंधित विषयवस्तु को — पृथक् पेपर, इकाई, कार्यशाला या इंटर्नशिप के रूप में — संरचनात्मक रूप से जोड़ना।

अनुसंधान के प्रश्न

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में Gerontology की जागरूकता का वर्तमान स्तर क्या है?
क्या बी.एड. प्रशिक्षणार्थी अपने पाठ्यक्रम में Gerontology को शामिल करना आवश्यक समझते हैं?
शहरी एवं ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों की Gerontology शिक्षा के प्रति राय में क्या अंतर है?
पुरुष एवं महिला प्रशिक्षणार्थियों की राय में लिंग-आधारित अंतर है अथवा नहीं?
वृद्धाश्रम/वृद्धजनों के साथ पूर्व अनुभव रखने वाले प्रशिक्षणार्थी अधिक सकारात्मक राय रखते हैं?
प्रशिक्षणार्थी Gerontology शिक्षा को किस रूप में (पेपर/इकाई/कार्यशाला) चाहते हैं?
क्या Gerontology शिक्षा भविष्य के शिक्षकों में वृद्धजनों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व बढ़ा सकती है?

अनुसंधान के उद्देश्य

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology) के प्रति जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना।
बी.एड. पाठ्यक्रम में Gerontology को सम्मिलित करने की आवश्यकता के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की राय ज्ञात करना।
शहरी एवं ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की Gerontology शिक्षा के प्रति राय की तुलना करना।
पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की Gerontology शिक्षा के प्रति राय में लिंग-आधारित अंतर का अध्ययन करना।
बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के वृद्धाश्रम संबंधी पूर्व अनुभव एवं Gerontology शिक्षा की आवश्यकता के मध्य संबंध ज्ञात करना।

अनुसंधान की विधि : प्रस्तुत अनुसंधान में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया |

जनसंख्या : यवतमाल शहर के ग्रामीण और शहरी पृष्ठभूमि के बी.एड प्रशिक्षणार्थि यह प्रस्तुत अनुसंधान की जनसंख्या है|

न्यादर्श : प्रस्तुत अनुसंधान में सम्पूर्ण जनसंख्या में 40 बी.एड. प्रशिक्षणार्थि का किया गया जिसमे 20 ग्रामीण क्षेत्र के तथा 20 शहरी क्षेत्र के प्राथमिक शिक्षक जिसमे 10 पुरुष और 10 महिला शिक्षको का समावेश किया गया|

विवरण	शहरी (Urban)	ग्रामीण (Rural)	कुल
कुल प्रतिभागी	20	20	40
पुरुष प्रशिक्षणार्थि	10	10	20
महिला प्रशिक्षणार्थि	10	10	20

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

अनुसंधान की कार्यवाही :

प्रस्तुत अनुसंधान के लिए अनुसंधान कर्ता ने बंद प्रश्नावली का निर्माण किया जिसमे उद्देश्य के अनुसार प्रश्न तयार किए गए | प्रथम उद्देश्य में दस प्रश्नों की निर्मिती,द्वितीय उद्देश्य में दस प्रश्नों की निर्मिती कि गयी| इन प्रश्नों की प्रतिक्रिया हाँ और ना इस स्वरूप में ली गयी | गुगल फॉर्म में तयार की गयी प्रश्नावली को प्रशिक्षणार्थि को भेजा गया और उनके प्रतिसाद लिए गए | तथा तृतीय एवं चतुर्थ उद्देश्य में प्रशिक्षणार्थियों की राय का तुलनात्मक विवेचन किया गया इसप्रकार उद्देश्यों का विश्लेषण और अर्थनिर्वचन किया गया | और सुझाव दिये गये |

उद्देश्यों का विश्लेषण और अर्थनिर्वचन

उद्देश्य क्रमांक 1

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology) के प्रति जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना।

सारणी क्र.1बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology) के प्रति जागरूकता का प्रतिशत दर्शानेवाली सारणी

क्र.	प्रश्न	हाँ %	ना %
1	क्या आप "Gerontology" (वृद्धावस्था विज्ञान) शब्द का अर्थ जानते हैं?	20	80
2	क्या आप जानते हैं कि वृद्धावस्था में शारीरिक परिवर्तन (दृष्टि, श्रवण, गतिशीलता) किस प्रकार होते हैं?	15	85
3	क्या आप वृद्धजनों में होने वाली प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं (अवसाद, चिंता, डिमेंशिया) से परिचित हैं?	70	30
4	क्या आप भारत सरकार द्वारा वृद्धजनों के लिए चलाई जा रही किसी योजना (जैसे — राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, वरिष्ठ नागरिक कल्याण योजना) के बारे में जानते हैं?	60	40
5	क्या आप जानते हैं कि वृद्धजनों के लिए "अन्नपूर्णा योजना" अथवा "इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन" क्या है?	55	45
6	क्या आप जानते हैं कि वृद्धाश्रमों के संचालन हेतु सरकारी मानक एवं नियम (Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007) मौजूद हैं?	45	55
7	क्या आप वृद्धजनों के साथ दुर्व्यवहार (Elder Abuse) के विभिन्न रूपों (शारीरिक, मानसिक, आर्थिक) से परिचित हैं?	10	90
8	क्या आप जानते हैं कि वृद्धावस्था में संतुलित आहार एवं पोषण की क्या आवश्यकताएँ होती हैं?	25	75
9	क्या आप जानते हैं कि "जेरियाट्रिक केयर" (Geriatric Care) एक विशिष्ट चिकित्सा शाखा है जो वृद्धों के स्वास्थ्य पर केंद्रित है?	80	20
10	क्या आप मानते हैं कि एक शिक्षक के रूप में वृद्धजनों की समस्याओं को समझना आपकी व्यावसायिक जिम्मेदारी का हिस्सा है?	7.5	92.5

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

आलेख क्र.1

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology) के प्रति जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना।

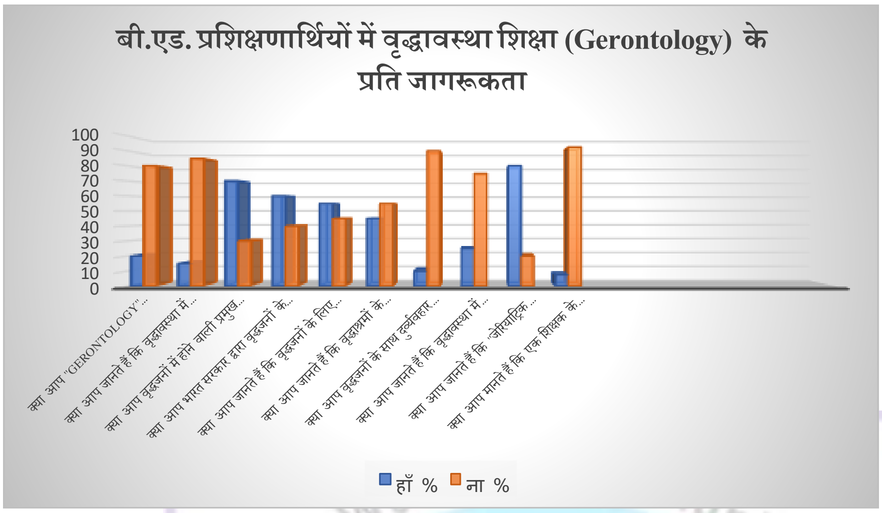

उद्देश्य क्र.1 का विश्लेषण व अर्थनिर्वेचन

केवल 8 विद्यार्थियों ने Gerontology शब्द सुना है। यह दर्शाता है कि शब्दावली स्तर पर जागरूकता अत्यंत कम है। अधिकांश प्रशिक्षणार्थी इस क्षेत्र से अनभिज्ञ हैं।

मात्र 6 प्रशिक्षणार्थी जानते हैं कि Gerontology केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षा और नीति से जुड़ा बहु-विषयक क्षेत्र है। वैचारिक स्पष्टता का अभाव स्पष्ट है।

28 विद्यार्थियों को वृद्धजनों की शारीरिक आवश्यकताओं (पोषण, स्वास्थ्य) की जानकारी है। यह सर्वोच्च जागरूकता बिंदु है — सामान्य जीवनानुभव व पारिवारिक संपर्क के कारण यह अपेक्षित है।

24 प्रशिक्षणार्थी वृद्धों के अकेलेपन, अवसाद जैसे मनोवैज्ञानिक पहलुओं को समझते हैं। परंतु 40% की अनभिज्ञता शिक्षक प्रशिक्षण में मनोवैज्ञानिक संवेदनशीलता की कमी को इंगित करती है।

22 विद्यार्थी जानते हैं कि भारत में 60+ जनसंख्या तेज़ी से बढ़ रही है। लगभग आधे (45%) इस जनसांख्यिकीय बदलाव से अनजान हैं — जो एक चिंताजनक स्थिति है।

18 प्रशिक्षणार्थी वृद्धाश्रमों की दैनिक समस्याओं से परिचित हैं। 55% की अनभिज्ञता बताती है कि वृद्धाश्रम भ्रमण या सामाजिक जुड़ाव का स्तर निम्न है।

केवल 4 विद्यार्थियों को NPOP (1999) की जानकारी है। यह सबसे निम्न जागरूकता स्तर है — नीतिगत जानकारी का लगभग पूर्ण अभाव।

केवल 10 प्रशिक्षणार्थी माता-पिता भरण-पोषण अधिनियम या वृद्धावस्था पेंशन जैसे अधिकारों को जानते हैं। कानूनी साक्षरता का गंभीर अभाव।

32 प्रशिक्षणार्थी मानते हैं कि शिक्षक के रूप में वृद्धजनों की समस्याओं को समझना आवश्यक है। यह सर्वाधिक सकारात्मक संकेतक है भावनात्मक स्वीकार्यता उच्च है, भले ही ज्ञान सीमित हो।

मात्र 3 विद्यार्थी जानते हैं कि Gerontology को बी.एड. पाठ्यक्रम में शामिल किया जा सकता है। यह सबसे कम जागरूकता का प्रश्न है — विद्यार्थी पाठ्यक्रम की संभावनाओं से अनजान हैं।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

निष्कर्ष

40 प्रशिक्षणार्थियों में से केवल 38.75% प्रश्नों का उत्तर "हाँ" में दे पाए जागरूकता का समग्र स्तर मध्यम-निम्न श्रेणी में है।

शिक्षक के लिए Gerontology की आवश्यकता की भावनात्मक स्वीकार्यता सर्वाधिक है।

बी.एड. में शामिल किए जाने की संभावना से लगभग सभी अनजान।

Gerontology शब्द और उसकी बहु-विषयक प्रकृति से अधिकांश अपरिचित।

सरकारी नीतियों और कानूनी अधिकारों का गंभीर अभाव।

दैनिक जीवन से जुड़ी जानकारी में प्रशिक्षणार्थी अपेक्षाकृत बेहतर हैं।

प्रश्न 9 में 80% आवश्यकता स्वीकारते हैं, परंतु प्रश्न10 में 92.5% को पाठ्यक्रम संभावना की जानकारी नहीं जागरूकता और कार्यान्वयन के बीच बड़ी खाई।

उद्देश्य क्रमांक 2

बी.एड. पाठ्यक्रम में Gerontology को सम्मिलित करने की आवश्यकता के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की राय ज्ञात करना।

सारणी क्र.2 : बी.एड. पाठ्यक्रम में Gerontology को सम्मिलित करने की आवश्यकता के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की राय का प्रतिशत दर्शानेवाली सारणी

क्र.	प्रश्न का सार	हाँ %	ना %
11	क्या आप मानते हैं कि बी.एड. पाठ्यक्रम में वृद्धावस्था शिक्षा (Gerontology) को एक अनिवार्य विषय के रूप में सम्मिलित किया जाना चाहिए?	75	43
12	क्या आप सहमत हैं कि Gerontology की शिक्षा प्रशिक्षणार्थियों को वृद्धजनों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाएगी?	85	64
13	क्या आप मानते हैं कि बी.एड. में Gerontology सम्मिलित करने से भावी शिक्षक अपने विद्यार्थियों में वृद्धजनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित कर सकेंगे?	80	50
14	क्या आप सहमत हैं कि Gerontology को बी.एड. पाठ्यक्रम में एक पृथक् इकाई (Unit) के रूप में शामिल किया जाना चाहिए?	65	79
15	क्या आप मानते हैं कि वर्तमान बी.एड. पाठ्यक्रम वृद्धजनों की सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं को समझने के लिए अपर्याप्त है?	70	43
16	क्या आप सहमत हैं कि बी.एड. प्रशिक्षण में वृद्धाश्रम भ्रमण (Field Visit) को अनिवार्य क्रियाकलाप के रूप में जोड़ा जाना चाहिए?	75	36
17	क्या आप मानते हैं कि Gerontology शिक्षा से प्रशिक्षणार्थी बहु-पीढ़ीय कक्षा (Multi-generational Classroom) को अधिक प्रभावी ढंग से संभाल सकेंगे?	60	43
18	क्या आप सहमत हैं कि NCTE (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद) को बी.एड. पाठ्यक्रम में Gerontology को नीतिगत रूप से सम्मिलित करना चाहिए?	80	18
19	क्या आप मानते हैं कि Gerontology विषय के अंतर्गत वृद्धाश्रम, वृद्धजन अधिकार एवं सरकारी योजनाएँ भी पढ़ाई जानी चाहिए?	72.5	39
20	क्या आप स्वयं इस विषय को अपने बी.एड. पाठ्यक्रम में पढ़ना पसंद करेंगे यदि यह उपलब्ध हो?	55	39

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

आलेख क्र.2

बी.एड. पाठ्यक्रम में Gerontology को सम्मिलित करने की आवश्यकता के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की राय का प्रतिशत दर्शानेवालाआलेख

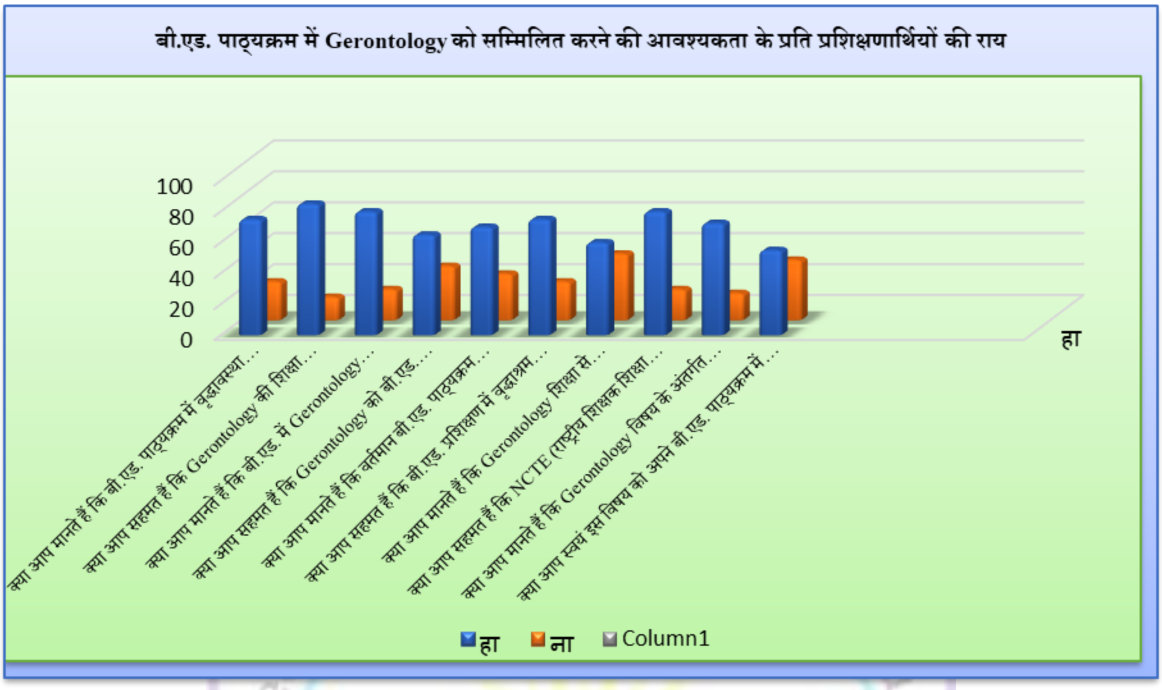

उद्देश्य क्र.2 का विश्लेषण व अर्थनिर्वेचन

30 प्रशिक्षणार्थी Gerontology को बी.एड. पाठ्यक्रम में अनिवार्य विषय के रूप में चाहते हैं। यह सशक्त सहमति दर्शाती है कि प्रशिक्षणार्थी इस विषय की प्रासंगिकता को पहचान रहे हैं। 25% की असहमति का कारण पाठ्यक्रम भार की चिंता हो सकती है।

यह सर्वोच्च सहमति (85%) का प्रश्न है। 34 प्रशिक्षणार्थियों का मानना है कि Gerontology शिक्षा उन्हें वृद्धजनों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाएगी। यह भावनात्मक एवं नैतिक जागरूकता की उच्च स्तरीय अभिव्यक्ति है।

32 प्रशिक्षणार्थी विश्वास करते हैं कि Gerontology-प्रशिक्षित शिक्षक अपने विद्यार्थियों में भी वृद्धजन-सम्मान की भावना जाग्रत कर सकेंगे। यह शिक्षा की पीढ़ीगत श्रृंखला प्रभाव (Chain Effect) की सकारात्मक समझ को इंगित करता है।

यद्यपि अधिकांश (65%) पृथक् इकाई चाहते हैं, परंतु 35% असहमत हैं। इसका कारण यह हो सकता है कि कुछ विद्यार्थी इसे अन्य विषयों में एकीकृत करना उचित समझते हों। प्रश्न 11 (75%) और प्रश्न 14 (65%) का अंतर बताता है कि "अनिवार्यता" अधिक स्वीकार्य है, "पृथक् इकाई" कम।

28 प्रशिक्षणार्थी मानते हैं कि वर्तमान बी.एड. पाठ्यक्रम वृद्धजन-संबंधी सामाजिक व मनोवैज्ञानिक समस्याओं को समझने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह पाठ्यक्रम सुधार की माँग का स्पष्ट संकेत है।

30 प्रशिक्षणार्थी चाहते हैं कि वृद्धाश्रम भ्रमण को अनिवार्य क्रियाकलाप बनाया जाए। यह प्रायोगिक शिक्षण (Experiential Learning) की आवश्यकता को दर्शाता है। सैद्धांतिक ज्ञान से अधिक व्यावहारिक अनुभव की माँग स्पष्ट है।

60% प्रशिक्षणार्थी मानते हैं कि Gerontology बहु-पीढ़ीय कक्षा प्रबंधन में सहायक होगी। 40% की असहमति यह संकेत देती है कि "बहु-पीढ़ीय कक्षा" की अवधारणा अभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए नई एवं अपरिचित है।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

32 प्रशिक्षणार्थी चाहते हैं कि NCTE राष्ट्रीय नीति स्तर पर Gerontology को बी.एड. में सम्मिलित करे। यह संस्थागत एवं नीतिगत परिवर्तन की माँग को दर्शाता है केवल संवेदनशीलता नहीं, बल्कि ढाँचागत बदलाव की अपेक्षा।

29 प्रशिक्षणार्थी चाहते हैं कि Gerontology पाठ्यक्रम में व्यावहारिक सामग्री वृद्धाश्रम, कानूनी अधिकार और सरकारी योजनाएँ सम्मिलित हों। यह समग्र एवं व्यापक पाठ्यक्रम की माँग है।

यह सबसे कम सहमति (55%) का प्रश्न है। यद्यपि अधिकांश नीतिगत सम्मिलन चाहते हैं, परंतु व्यक्तिगत रुचि कम है। यह "सामाजिक आवश्यकता बनाम व्यक्तिगत रुचि" का विरोधाभास दर्शाता है जो पाठ्यक्रम को रोचक एवं प्रेरक बनाने की आवश्यकता को इंगित करता है।

निष्कर्ष

कुल औसत सहमति: 40 प्रशिक्षणार्थियों की समग्र सहमति का औसत 71.75% है जो बी.एड. में Gerontology सम्मिलन की उच्च आवश्यकता सिद्ध करता है।

सर्वोच्च सहमति: प्रश्न 12 (85%) संवेदनशीलता विकास सबसे अधिक स्वीकार्य लाभ।

न्यूनतम सहमति: प्रश्न 20 (55%) व्यक्तिगत रुचि सबसे कम पाठ्यक्रम को आकर्षक बनाना आवश्यक।

नीतिगत माँग प्रबल: प्रश्न 18 (80%) NCTE से संस्थागत बदलाव की अपेक्षा स्पष्ट।

प्रायोगिक शिक्षण की माँग: प्रश्न 16 (75%) केवल किताबी ज्ञान नहीं, भ्रमण एवं अनुभव चाहते हैं।

विरोधाभास: प्रश्न 11 (75%) में नीतिगत सहमति, किंतु प्रश्न 20 (55%) में व्यक्तिगत रुचि कम जागरूकता और प्रेरणा के बीच अंतर।

समग्र राय सकारात्मक: किसी भी प्रश्न पर "ना" बहुमत में नहीं Gerontology सम्मिलन की माँग स्पष्ट एवं सर्वमान्य।

सुझाव

Gerontology को बी.एड. में अनिवार्य इकाई के रूप में जोड़ा जाए

NCTE को नीति निर्माण में इसे प्राथमिकता देनी चाहिए

पाठ्यक्रम को रोचक, व्यावहारिक एवं अनुभव-आधारित बनाया जाए

वृद्धाश्रम भ्रमण को इंटर्नशिप का भाग बनाया जाए

विषयवस्तु में वृद्धजन अधिकार, नीतियाँ, योजनाएँ शामिल की जाएँ

उद्देश्य क्रमांक 3

शहरी एवं ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की Gerontology शिक्षा के प्रति राय की तुलना करना।

विवरण	**शहरी (n=20)**	**ग्रामीण (n=20)**	**अंतर**
जागरूकता औसत (प्रश्न1–प्रश्न10)	47%	30.5%	+16.5%
पाठ्यक्रम राय औसत (प्रश्न11–प्रश्न20)	79%	64.5%	+14.5%
समग्र औसत (प्रश्न1–प्रश्न20)	63%	47.5%	+15.5%
सर्वोच्च सहमति	प्रश्न12 (90%)	प्रश्न12 (80%)	+10%
न्यूनतम सहमति	प्रश्न10 (10%)	प्रश्न2, प्रश्न10 (5%)	+5%

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

निष्कर्ष

समग्र जागरूकता: शहरी 47% बनाम ग्रामीण 30.5% शहरी विद्यार्थी Gerontology के प्रति 16.5% अधिक जागरूक हैं।
पाठ्यक्रम सम्मिलन राय: शहरी 79% बनाम ग्रामीण 64.5% शहरी 14.5% अधिक सहमत हैं।
दोनों में सर्वोच्च सहमति: प्रश्न12 संवेदनशीलता विकास (शहरी 90%, ग्रामीण 80%) भावनात्मक स्तर पर दोनों एकमत।
दोनों में न्यूनतम जागरूकता: प्रश्न10 पाठ्यक्रम संभावना (शहरी 10%, ग्रामीण 5%) —दोनों लगभग अनजान।
सर्वाधिक अंतर (+20%): प्रश्न1, प्रश्न2, प्रश्न3, प्रश्न4, प्रश्न5, प्रश्न6, प्रश्न8, प्रश्न11, प्रश्न14, प्रश्न15, प्रश्न20 11 प्रश्नों पर शहरी स्पष्ट रूप से आगे।
न्यूनतम अंतर (+5–10%): प्रश्न7, प्रश्न9, प्रश्न12, प्रश्न13, प्रश्न16, प्रश्न17, प्रश्न18 नीति माँग एवं भावनात्मक सहमति में दोनों लगभग समान।
प्रमुख विरोधाभास: दोनों वर्ग प्रश्न9/प्रश्न18 में NCTE नीति की माँग उच्च रखते हैं, परंतु प्रश्न20 में व्यक्तिगत रुचि निम्न है।

सुझाव

ग्रामीण संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण औसत मात्र 30.5%
NCTE को नीतिगत सम्मिलन करना चाहिए दोनों में 80%+ माँग
वृद्धाश्रम भ्रमण अनिवार्य करें व्यावहारिक अनुभव के लिए
नीति-कानून इकाई जोड़ें
पाठ्यक्रम को रोचक बनाएँ व्यक्तिगत रुचि बढ़ाने के लिए

उद्देश्य क्रमांक 4

पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की Gerontology शिक्षा के प्रति राय में लिंग-आधारित अंतर का अध्ययन करना।

विवरण	पुरुष (n=20)	महिला (n=20)	अंतर	प्रवृत्ति
जागरूकता औसत (प्रश्न1–प्रश्न10)	37.5%	40.5%	−3%	महिला थोड़ी अधिक
पाठ्यक्रम राय औसत (प्रश्न11–प्रश्न20)	68%	78.5%	−10.5%	महिला काफी अधिक
समग्र औसत (प्रश्न1–प्रश्न20)	52.75%	59.5%	−6.75%	महिला अधिक
सर्वोच्च सहमति	प्रश्न9, प्रश्न12 (80%)	प्रश्न12 (90%)	+10%	महिला अधिक संवेदनशील
न्यूनतम सहमति	प्रश्न10 (5%)	प्रश्न1 (15%)	−10%	दोनों निम्न

निष्कर्ष

जागरूकता में लिंग-अंतर न्यूनतम: पुरुष 37.5% vs महिला 40.5% मात्र 3% अंतर जागरूकता में दोनों लगभग समान रूप से कमजोर।
पाठ्यक्रम राय में महिला सहमति अधिक: पुरुष 68% vs महिला 78.5% 10.5% अंतर महिलाएँ Gerontology सम्मिलन की काफी अधिक समर्थक हैं।
समग्र अंतर: समग्र औसत में −6.75% महिलाएँ Gerontology के अधिक समर्थक हैं।
पुरुषों की शक्ति: शब्दावली जागरूकता (प्रश्न1: +10%, प्रश्न2: +10%) पुरुष सैद्धांतिक/वैज्ञानिक जानकारी में अधिक आगे।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

महिलाओं की शक्ति: प्रश्न3–प्रश्न6, प्रश्न11–प्रश्न18, प्रश्न20 में महिलाएँ लगातार 10% आगे महिलाएँ व्यावहारिक, भावनात्मक एवं सामाजिक समझ में बेहतर हैं।

दोनों में समानता: प्रश्न7, प्रश्न8 (नीति-कानून), प्रश्न9 (आवश्यकता), प्रश्न10 (संभावना) इन विषयों पर दोनों की समान राय है।

सुझाव

महिला शिक्षकों को Gerontology पर विशेष प्रशिक्षण, जिससे वे समाज में प्रभाव निर्माण करें

पुरुष प्रशिक्षणार्थियों के लिए व्यावहारिक जुड़ाव अनुभव-आधारित शिक्षा आवश्यक

दोनों के लिए संवेदनशीलता अनिवार्य कार्यशाला जहाँ पुरुष-महिला दोनों सहानुभूति एवं सेवा कौशल सीखें

नीति-कानून जागरूकता दोनों के लिए सरकारी योजनाओं पर अनिवार्य इकाई

व्यक्तिगत रुचि बढ़ाने के लिए आकर्षक शिक्षण केस स्टडी, वीडियो, गेस्ट लेक्चर रोचक शिक्षण विधियाँ इनका समावेशन

संदर्भ ग्रंथ सूची

Best J. W. Research in Education, Prentic Hall of India, 1963

Ackoff, Robert L. The Design of Social Research, Chicago, 1953

Connor L. R. statistics &theory in practice 1936

https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_final_HINDI_0.pdf

https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/initiatives-under-national-education-policy-2020

https://byjusexamprep.com/uppsc/new-education-policy-in-hindi

Teacher's Welfare is Nation's Welfare
CTEF
Council for Teacher Education Foundation
ESTD. 1985